KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

जी20 शिखर सम्मेलन

G20

भारत 2023 INDIA

ONE EARTH . ONE FAMILY . ONE FUTURE

वसुधैव कुटुंबकम्

वर्तमान संदर्भ

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 10 सितंबर, 2023 को ब्राजील (जो अगले जी20 का अध्यक्ष बना) को एक औपचारिक हथौड़ा (gavel) देकर नई दिल्ली में जी20 (G20) शिखर सम्मेलन का समापन किया। जी20 के दो दिवसीय शिखर सम्मेलन में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

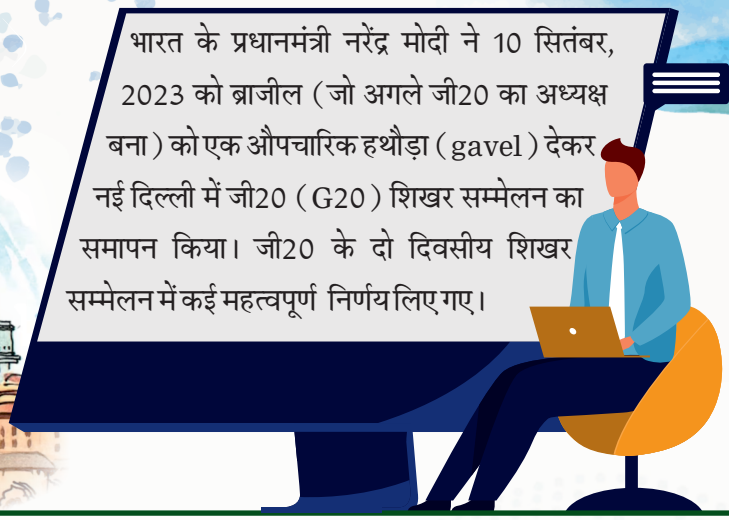

जी20 क्या है?

- जी 20 एक अंतरसरकारी संगठन है , जिसमें उन्नीस देश और यूरोपीय संघ शामिल हैं।
- जी20 के सदस्य दुनिया की आबादी का लगभग 2/3 हिस्सा, वैश्विक व्यापार का 75 प्रतिशत से अधिक और दुनिया के सकल घरेलू उत्पाद का 85 प्रतिशत हिस्सेदारी रखते हैं।
- जी20 का कोई स्थायी कार्यालय या मुख्यालय नहीं है।

जी 20 शिखर सम्मेलन 2023 की मुख्य बातें

- **नई दिल्ली घोषणापत्र को अपनाना**
  - शिखर सम्मेलन के पहले दिन, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली घोषणापत्र को अपनाने की घोषणा की, जो मिशन लाइफ (पर्यावरण के लिए जीवन शैली) के विचार, **'वसुधैव कुटुंबकम'** के इरादे के साथ-साथ गरीबी और असमानता, महामारी, जलवायु परिवर्तन एवं महिलाओं और बच्चों पर इसके प्रतिकुल प्रभाव जैसी समस्याओं की ओर विश्व का ध्यान आकृष्ट करने पर केंद्रित किया गया है।
- जी 20 समूह में **55 सदस्यीय अफ्रीकी संघ को स्थायी सदस्य** के रूप में शामिल करने के साथ एक उल्लेखनीय विकास हुआ।
- **वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन**
  - अग्रणी जैव ईंधन उत्पादकों और उपभोक्ताओं के रूप में ब्राजील, भारत और अमेरिका अन्य इच्छुक देशों के साथ मिलकर वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन के विकास की दिशा में काम करेंगे।
- **भारत-मिडिल ईस्ट-यूरोप आर्थिक परिवहन गलियारा**
  - संयुक्त राज्य अमेरिका ने जी20 के मंच से दक्षिण एशिया से पश्चिम एशिया और अंततः यूरोप तक एक रेल और बंदरगाह कनेक्टिविटी फैसिलिटी बनाने की योजना की घोषणा की।
  - संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ, 7 अन्य सदस्यों (भारत, सऊदी अरब, यूरोपीय संघ, फ्रांस, संयुक्त अरब अमीरात, इटली और जर्मनी) ने इस गलियारे की स्थापना के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
- **जलवायु परिवर्तन पर वृद्धिशील प्रगति**
  - जी20 के नेताओं ने वर्ष 2030 तक विश्व की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को तीन गुना तक बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की और कोयले के उपयोग में चरणबद्ध तरीके से कटौती जारी रखने की आवश्यकता को स्वीकार किया।
- **यूक्रेन विवाद के संदर्भ में, भारत द्वारा रूस-यूक्रेन संकट** पर एक "नरम भाषा" का प्रयोग किया गया।

भारत के लिए महत्व

व्यापार और आर्थिक महत्व : भारत-मीडिल ईस्ट-यूरोप आर्थिक परिवहन गलियारा भारत को सीधे वैश्विक बाजार तक पहुंच सुविधा प्रदान करने के साथ-साथ वैश्विक व्यापार में आसानी सुनिश्चित होगी। यह चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव का भी जवाब होगा।

कूटनीतिक महत्व : भारत की अध्यक्षता में अफ्रीकी संघ को शामिल करने से ग्लोबल साउथ की आवाज बनने में भारत की स्थिति को मजबूती मिलेगी।

जलवायु अनुकुल : जलवायु परिवर्तन पर घोषणाएँ भारत की अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन, आपदा अनुकुल बुनियादी ढांचे के लिए गठबंधन आदि जैसी पहलों को और अधिक गति प्रदान करेंगी।

निष्कर्ष

भारत की अध्यक्षता में जी 20 ने आर्थिक, पर्यावरण, डिजिटल, भू-राजनीतिक और अन्य क्षेत्रों सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है, जिससे भारत के वैश्विक शक्ति बनने के दावे के साथ-साथ सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के दावे को बल मिला है।

KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

G20 Summit 2023

G20

भारत 2023 INDIA

ONE EARTH . ONE FAMILY . ONE FUTURE

वसुधैव कुटुंबकम्

Current Context

Prime Minister of India Narendra Modi, on 10 September 2023, called an end to the G20 summit in New Delhi by passing on a ceremonial gavel to Brazil, which will take the bloc's presidency. The two-day summit witnessed the adoption of several remarkable decisions.

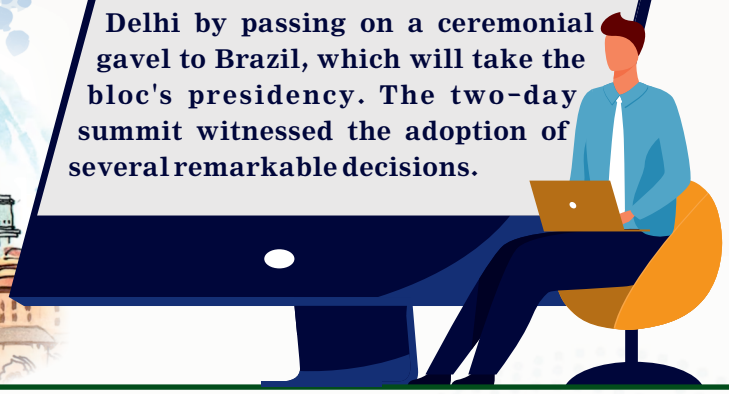

About G20

- G20 is an intergovernmental organization comprising of nineteen nations and the European Union.
- The G20 members account for nearly 2/3rd of the world's population, over 75 percent of global trade, and 85% of the world's GDP.
- G20 does not have any permanent office or headquarter.

Key Takeaways from the G20 Summit 2023

- **Adoption of the New Delhi Leaders' Declaration:**
  - On the very first day of the summit, PM Modi announced the adoption of New Delhi Declaration, focusing on the idea of Mission LiFE (Lifestyle for Environment), the intent of "Vasudhaiva Kutumbakam", and bringing the global attention towards problems like poverty and inequality, pandemics, climate change and their disproportionate impacts on the women and children.
- The G20 grouping saw a remarkable development with the **inclusion of 55-member African Union** as a permanent member.
- **Global Biofuel Alliance:**
  - Brazil, India, and the USA, as leading biofuel producers and consumers, will be working together towards the development of a Global Biofuels Alliance along with other interested countries.
- **India-Middle East-Europe Economic Transport Corridor:**
  - USA, from the stage of G20 announced plans to build a rail and port connectivity mechanism all the way from South Asia to West Asia and eventually to Europe.
  - Along with USA, 7 other parties namely India, Saudi Arabia, the European Union, France, the UAE, Italy, and Germany, signed a MoU to establish this corridor.
- **Incremental progress on Climate Change:**
  - The G20 leaders agreed to increase world's renewable energy capacity by three times by the year 2030 and acknowledged the need to continue phase-down of coal.
- A "**softer language" on Russia-Ukraine Crisis** was provided by India to describe the Ukraine conflict.

Significance for India

Trade and economic significance: The India-Middle East-Europe Economic Transport Corridor will increase India's access to global market and ensure an ease in global trade. It will also be a counter to China's Belt and Road Initiative.

Diplomatic significance: Inclusion of African Union under India's presidency will strengthen its say of becoming the voice of "Global South".

Climate resilience: Declarations on climate change will give more impetus to India's initiatives like International Solar Alliance, Coalition for Disaster Resilience Infrastructure etc.

Conclusion

The G20 under India's presidency has achieved a remarkable success in various domains, including economic, environmental, digital, geopolitical and other sectors, thereby strengthening India's claim of becoming a global power and advocating its permanent membership.